भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 1958**
**उत्तर देने की तारीख- 13/03/2023**

**विज्ञान में पीएच.डी. डिग्रीधारक**

**†1958. श्री एम.वी.वी. सत्यनारायण:**
**श्री पी.वी. मिधुन रेड्डी:**
**श्री एन.रेडडप्प:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि देश में 6000 में से 2000 पीएच.डी. की डिग्री पाने वाले लोगों को देश में अच्छे रोजगार प्राप्त नहीं होते हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पीएच.डी. डिग्रीधारकों, विशेषकर विज्ञान में, को बेहतर रोजगार अवसर सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा कौन से कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;
(ग) क्या सरकार के पास विज्ञान में पीएच.डी. प्राप्त छात्रों के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान या भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान में भर्ती में विस्तार करने की कोई योजना है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ड.) भारत में पीएच.डी. डिग्रीधारक छात्रों के लिए नौकरी की कमी को देखते हुए अकादमिक क्षेत्र को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में पीएच.डी. डिग्रीधारकों के ''ब्रेन-ड्रेन'' जिसके कारण वे विदेशों में नौकरी की खोज में जा रहे हैं, को रोकने के लिए उनके लिए रोजगार अवसरों का विस्तार करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने के लिए प्रस्तावित हैं?

**उत्तर**

**शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(डॉ. सुभाष सरकार)**

(क) से (ड.): शिक्षा मंत्रालय केंद्रीय वित्तपोषित उच्चतर शिक्षण संस्थानों में मिशन मोड में संकाय की भर्ती कर रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में 1659, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में 1731 और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) में 51 शिक्षकों की भर्ती की गई है।

सरकार ने पीएच.डी. स्कॉलर्स के लिए अवसर बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने सूचित किया है कि आज की तारीख में देश में लगभग 100 पीएचडी धारक विज्ञान और इंजीनियरिंग में पोस्ट-डॉक्टोरल फैलोशिप (पीडीएफ) प्राप्त करते हैं। विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) ने हाल ही में पीडीएफ की संख्या अधिक करने का फैसला किया है। इसके अलावा, एसईआरबी-रामानुजन फैलोशिप, एसईआरबी-रामलिंगस्वामी री-एंट्री फैलोशिप और एसईआरबी-विजिटिंग एडवांस्ड जॉइंट रिसर्च फैकल्टी स्कीम (वीएजेआरए), आदि को भारतीय मूल के प्रतिभावान शोधकर्ताओं को भारत में विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में काम करने और योगदान करने हेतु आकर्षित करने के लिए तैयार किया गया है।

सरकार ने आईआईटी-मद्रास, बॉम्बे, खड़गपुर, कानपुर, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, गांधीनगर और आईआईएससी बैंगलोर में अनुसंधान पार्कों की स्थापना को भी मंजूरी दी है ताकि देश में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाया जा सके जिससे छात्र नवीन अनुसंधान के माध्यम से भारत में अपने अनुसंधान और विकास हितों को आगे बढ़ाने में सक्षम बन सकें।

आईआईएसईआर में अधिकांश छात्र पीएचडी पूरा करने के बाद पोस्ट-डॉक अध्ययन करते हैं। संस्थानों ने उद्योग, शैक्षणिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित कॅरियर विकास और प्लेसमेंट सेल हैं जो प्लेसमेंट के अवसरों में मदद कर सकते हैं। कुछ आईआईएसईआर ने स्टार्ट-अप्स के लिए इनक्यूबेशन सेंटर शुरू करके छात्रों और फैकल्टी के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नवाचार और इनक्यूबेशन उद्यमिता केंद्र (आईआईसीई) की स्थापना की है। आईआईएसईआर उपलब्ध रिक्त पदों और आवश्यकताओं के अनुसार संकाय सदस्यों, पोस्ट डॉक्टोरल फेलो, अनुसंधान सहायकों, तकनीकी सहायकों आदि के रूप में पीएचडी स्नातकों की भर्ती भी करता है। संकाय पदों के अलावा, पीएचडी छात्र कई उच्च शिक्षण संस्थानों/कंपनियों/उद्योगों में फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, ऊर्जा आदि जैसे विभिन्न डोमेन में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर भी काम करते हैं। पीएचडी धारक अपने करियर में बेहतर अवसर पाने के लिए भारत सरकार के अनुसंधान एवं विकास संगठनों और निजी संगठनों में अवसरों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

*****